2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखें : (7.5×4=30)

Write notes on any **four** of the following :

(क) इतिहास-पुराण परंपरा

Itihas-purana tradition

(ख) बृहत्कथा

Brhatkatha

(ग) रूपकीकरण

Allegorisation

(घ) आध्यात्मिक कथावाचन

Spiritualistic Story-telling

(ङ) स्थापत्य एवं चित्रकला

Sculpture and paintings

(च) कुशीलव

Kushilava

(छ) कल्पनाशीलता

Fantasisation

(ज) शैलीकरण

Stylisation

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3395 **D**

Unique Paper Code : 2135001004

Name of the Paper : Sanskrit Narratology

Name of the Course : **B.A. Prog.**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए : (15×4=60)

Answer any **four** questions of the following :

(क) संस्कृत आख्यानपरम्परा के उद्भव एवं विकास पर एक निबन्ध लिखें ।

Write an essay on the origin and development of the Sanskrit Narrative tradition.

(ख) संस्कृत उपदेशात्मक कथाओं के उद्भव एवं विकास को सोदाहरण समझाइये ।

Explain the origin and development of Sanskrit fables with example.

(ग) संस्कृत आख्यान परम्परा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये ।

Explain the distinctive features of Sanskrit Narratology.

(घ) कथावचन की परम्परा एवं विकास पर एक निबन्ध लिखिये ।

Write an essay on the tradition and development of Story-telling.

(ङ) संस्कृत आख्यान परम्परा के विभिन्न कलात्मक रूपों को व्याख्यायित कीजिये ।

Elaborate different art-forms of Sanskrit Narrative tradition.

(च) आनुष्ठानिक वाचिक परम्परा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये ।

Highlight the characteristics of ritualistic story-telling.

(छ) कथावाचक के रूप में सूतों की परम्परा पर सोदाहरण निबन्ध लिखिए ।

Write an essay on the tradition of Sutas as a Narrator with example.

(ज) कथासत्र के विभिन्न रूपों को स्पष्ट कीजिये ।

Elaborate the various forms of Kathasatra.